Regarding request to construct Multi Speciality Hospital in every expressway

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल **(**हमीरपुर**):** सभापति महोदय**,** देश को विकसित बनाने के लिए मोदी जी की गारंटी के साथ अनेक जन कल्याणकारी कार्य केन्द्र सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। वर्ष 2014 में सरकार के आने के पहले, पूरे देश में नारा लगता था कि अच्छे दिन आएंगे। उस समय मीडिया के बंधु पूछते थे कि अच्छे दिन कहां हैं? अब मीडिया के बंधु नहीं पूछते हैं कि अच्छे दिन कहां हैं।

आज मैं शून्य काल में आपके संरक्षण में यह बात सदन में रखना चाहता हूं कि सभी दिशाओं में काम हो रहा है। सभी प्रकार के लोगों और गरीबों के लिए देश में समर्पित सरकार है। सभी लोगों को सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में चाहे कोई गरीब व्यक्ति हो, संपन्न व्यक्ति हो, जो सर्विस में हो, जो सर्विस में न हो या कृषक हो, सभी लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ शत-प्रतिशत मिल रहा है।

सभापति महोदय, हमारे दिव्यांग बंधुओं को सरकार ने सम्मान दिया है, आदरणीय मोदी जी ने सम्मान दिया है। देश के सभी दिव्यांजनों को जिस प्रकार से जैसे आज सभी लोगों को जम्मू-कश्मीर में सुविधा मिल रही है, वैसे ही शत-प्रतिशत हर आय वर्ग के दिव्यांग लोगो को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिले। सभापति महोदय, इसी से जुड़ा हुआ मैटर है। हर गरीब वर्ग के लिए अमृतकाल में अमृत के समान यह संजीवनी साबित होगा।

सभापति महोदय, हमारे देश में एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। लोग एक्सप्रेस-वे से पेशेंट्स को लेकर अपने प्रदेश की राजधानी और देश की राजधानी के लिए निकलते हैं। मैं उत्तर प्रदेश के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से चुन कर यहां आया हूं। मेरे पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र, हमीरपुर में कोई मेडिकल कॉलेज नहीं है। बुंदेलखंड में कोई एम्स नहीं है। सभी लोग पेशेंट्स को लेकर दिल्ली आते हैं। एक्सप्रेस-वे से आने पर समय बचता है, लेकिन एक्सप्रेस-वे पर कहीं कोई दिक्कत न आ जाए, इसलिए वे एक्सप्रेस-वे की बजाय झांसी, ग्वालियर और आगरा होकर दिल्ली आते हैं। अभी ऐसा अनेक लोग करते हैं। एक्सप्रेस-वे पर अगर कोई एमरजेंसी हो तो हमें कोई हॉस्पिटल नहीं मिलेगा।

मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन है कि हर एक्सप्रेस-वे पर मोदी जी के नेतृत्व की सरकार हजारों-लाखों करोड़ रुपए खर्च कर रही है**,** लोगों के यातायात को सुगम बना रही है, तो एम्बुलेंस से आने वाले मरीजों के लिए हर एक्सप्रेस-वे पर 200 किलोमीटर के बाद एक मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाया जाए, ताकि किसी भी दुर्घटना से किसी भी मरीज को, किसी भी सुदूरवर्ती क्षेत्र के चाहे हमारे जनजाति बंधु हों या कोई हों, सभी को उसका लाभ मिल सके।